भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1331

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 28 जुलाई, 2025

06 श्रावण, 1947 (शक)

द्वारका और बेट द्वारका में पुरातात्विक अन्वेषण

1331. **श्रीमती पूनमबेन माडम** :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने द्वारका और बेट द्वारका में पानी के भीतर और तटवर्ती पुरातात्विक अन्वेषणों का एक नया दौर शुरू किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या द्वारका और बेट द्वारका में पुरातात्विक अनुसंधान और अन्वेषण के लिए पानी के भीतर पुरातत्व विंग (यूएडब्ल्यू) को समर्पित निधि आवंटित की गई है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार की देश भर में पानी के भीतर पुरातात्विक अनुसंधान का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करने की कोई योजना है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्जलीय पुरातत्व स्कंध (यूएडब्ल्यू) ने वर्ष 2005 से वर्ष 2007 तक द्वारका में वैज्ञानिक अन्वेषण किया था। द्वारका और बेट द्वारका में अंतर्जलीय और तटीय पुरातात्विक अन्वेषण फरवरी, 2025 से पुनः प्रारम्भ किया गया है।

(ख): अंतर्जलीय पुरातत्व स्कंध दल (टीम) ने फरवरी, 2025 में द्वारका में अपतटीय अन्वेषण का कार्य प्रारम्भ किया था और इसके बाद मार्च, 2025 में बेट द्वारका में तटीय अन्वेषण का कार्य भी आरंभ किया गया। इस कार्य हेतु, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अधिक संख्या में पुरातत्वविदों को प्रशिक्षण देने के अलावा, इस प्रयोजनार्थ उपयोग किए जाने वाले रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरओवी), अंतर्जलीय कैमरे, उच्च गुणवत्ता वाले जीवन रक्षा जैकेट और गोताखोरी पोशाक (डाइविंग सुइट्स) जैसे उपकरणों की खरीद भी शुरू की गई है।

(ग) और (घ): अंतर्जलीय पुरातत्व स्कंध को आवश्यक निधियाँ निम्नानुसार उपलब्ध कराई गई हैं:

वर्ष 2024-2025: 10 लाख रूपए।

वर्ष 2025-2026: 50 लाख रूपए।

(ड.) और (च): जी हाँ। देश भर में अंतर्जलीय पुरातात्विक अनुसंधान का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करने के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थात् पहला कार्यक्रम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए मार्च, 2025 में और दूसरा कार्यक्रम राज्य पुरातत्व विभागों और भारतीय विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए जुलाई, 2025 में आयोजित किया गया था। इस संबंध में, छात्रों और विद्वानों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक मॉड्यूल भी तैयार किया गया है।

*****